Shani Dham Gurgaon

<u>पितृ दोष निवारण हेतु दीप यज्ञ</u>

1. वक़्त - संध्या के समय (3 PM से 6 PM के बीच)
2. भगवान शनि के नाम से आपको 5 दीपक जलाने की जरूरत है (घी / सरसों का तेल / तिल का तेल)
3. ये दीप आपको अपने घर के मंदिर में जलाना है
4. आपको दीप जलाने के बाद अपनी हथेली में जल लेकर ये संकल्प लेना है (जल पात्र से जल अपनी हथेली में लीजिये जैसे पूजा से पहले संकल्प लेते है)
5. बोलिए हे शनिदेव महाराज, मै मनु भईया को साक्षी मानकर परिवार सहित आपको दीपदान प्रदान करता हूँ आप हमारे दीपदान को ग्रहण कीजिए हम पर अनुकम्पा कीजिए, हमारे पितरों के बंदन का मर्दन कीजिए उनका वश्य आकर्षण कीजिए, उनका वशीकरण कीजिए, उनको शांति, भक्ति, मुक्ति, मोक्ष प्रदान कीजिए, गति प्रदान कीजिए। शनि देव महाराज आप उनको वस्त्र अर्पण कीजिए, तिल अर्पण कीजिए, पिंड अर्पण कीजिए, जल अर्पण कीजिए। उनकी ऊर्जाओं को बढ़ाइए, उनकी ऊर्जा उठाइए, उनको हमारे अनुकूल बनाइए। हम पर किरपा करें, हमारे पितरों की रक्षा करें, उन पर किरपा करें, उनकी रक्षा करें | उन पर कृपा करे उनकी रक्षा करे उनको गति दे, वृद्धि दे, हमारे तेज की वृद्धि करें आपकी सदा ही जय हो
6. संकल्प लेने के बाद भगवान शनि देव को धूप या अगर्भात्ति प्रदान कीजिये

<u>दीप यज्ञ से सम्बंधित महत्वपूर्ण जानकारी</u>

1. दीप यज्ञ आप अपने घर के मंदिर में कीजिए मंदिर ना हो तो किसी एकांत कमरे के सांफ कोने में कीजिये
2. दीप यज्ञ प्रज्वलित करने के बाद मंदिर के कक्ष को बंद कर दीजिये या जिस कमरे में आपने करा है उसे बंद कर दीजिये
3. अगर आप संध्या के समय पर दीप यज्ञ नहीं कर कर सकते तो दिन में कोई एक समय चुने और प्रति दिन आप उस ही समय दीप यज्ञ कीजिये
4. दीप यज्ञ आपको प्रति दिन करना है पितृ देव की शांति और मुक्ति के लिए
5. दीप यज्ञ आरम्भ करने के बाद आपको हर माह पितरों की अमावस नहीं निकालनी होती और ना ही आपको किसी प्रकार का भोग जैसे अगियारी पे खीर का भोग या पितृ पूजन जैसे पीपल पे मीठा जल आपको नहीं देना है
6. आप वार्षिक पितृ श्राद्ध कर सकते है